17.05.2022

हिन्दी के छात्रों ने हिन्दी महीनों को जाना

डॉ0 रमेश टण्डन ने छात्रों के लिए किया अभिनव पहल

आज की पीढ़ी अंग्रेजी के दिनांको, महीनों, हैप्पी न्यू ईयर फर्स्ट जनुअरी, आदि को भली–भांति जानती है। परन्तु अपने ही चैत्र, वैशाख.... तृतीया, चतुर्थी..... आदि को भूलती जा रही है। भारत के निवासी एवं हिन्दी के अध्येता होने के नाते हमारा यह कर्त्तव्य बनता है कि हम अपने महीनों का जानें, तिथियों को जानें, घर–घर में टँगे हुए कैलेण्डर का पढ़ना जाने। इस क्रम में ज्येष्ठ मास, प्रथमा/द्वितीया तिथि, अनुराधा नक्षत्र, विक्रम सम्वत् 2079 को शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में स्किल डेवेलपमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत ''हिन्दी महीना को जानें'' कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ0 आर के टण्डन की अध्यक्षता में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक रामकृष्ण मिश्रा ने हिन्दी महीना, हिन्दी तिथियों, नक्षत्र आदि के बारे में विस्तार से बताया। 27 नक्षत्रों में से मूल नक्षत्रों – अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल, रेवती आदि में किए गए कार्यों को प्रायः अशुभ माना जाता है। साथ ही घनिष्ठा नक्षत्र के तीसरे चरण से रेवती नक्षत्र के प्रारम्भ तक पाँच दिनों के पंचक में भी शुभ अथवा मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। इस दौरान पूजा आदि किए जा सकते हैं। परन्तु मूर्ति विसर्जन नहीं किया जा सकता। गृह निर्माण आरम्भ वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष (अगहन), फाल्गुन माह में करना शुभ माना जाता है। लेकिन जब नव गृह प्रवेश की बात करें या कोई भी मंगल कार्यों जैसे शादी आदि की बात करें तो आषाढ़ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक वर्जित है। इसी प्रकार, वास्तु शास्त्र, वर–वधु गुण मिलान, नवजात बच्चे के नामकरण आदि पर विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ0 आकांक्षा मिश्रा ने किया। प्रो0 दिनेश संजय के आभार प्रदर्शन में, प्रो0 जयराम कुर्रे सहित निमिश राठिया, उर्मिला पटैल, सोनिया चौहान, प्रियंका पटैल, लोकनाथ डनसेना, ज्ञानेश्वर डनसेना, रेशमा चौहान, किर्तन अजय, मोंगरा राठिया, रूकमणी पटेल, शिव कुमारी, हीना, सुनीता सिदार, ट्वींकल वैष्णव, माधुरी राठिया (लोचन सिंह), सरस्वती राठिया, अंजना राठिया, रंगवती, संजना राठिया की सक्रिय सहभागिता कार्यक्रम के दौरान दिखाई दी। सभी ने रोचक और ज्ञानवर्द्धक जानकारी हासिल किया। डॉ0 रमेश टण्डन ने पं0 रामकृष्ण मिश्रा को विभाग की ओर से धन्यवाद दिया एवं डॉ0 आकांक्षा मिश्रा ने वस्त्र, भोजन, धनादि दान किया।

GPS Map
Camera Lite
X4H7+CQX, Mishra Colony, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Latitude
21.9792006°
Longitude
83.1158057°
Local 02:14:35 PM
GMT 08:44:35 AM
Altitude 0 meters
Tuesday, 17-05-2022

GPS Map
Camera Lite
X4H7+CQX, Mishra Colony, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Latitude
21.9792006°
Longitude
83.1158057°
Local 02:33:55 PM
GMT 09:03:55 AM
Altitude 0 meters
Tuesday, 17-05-2022

REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA

REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA

आत्मानंद विद्यालय में एडमिशन के बारे

हिन्दी के छात्रों ने हिन्दी महीनों को जाना

खरसिया@किरणदूत

डॉ0 रमेश टण्डन ने छात्रों के लिए किया अभिनव पहल आज की पीढ़ी अंग्रेजी के दिनांकों, महीनों, हैप्पी न्यू ईयर फर्स्ट जनुअरी, आदि को भली-भांति जानती है। परन्तु अपने ही चैत्र, वैशाख.... तृतीया, चतुर्थी..... आदि को भूलती जा रही है। भारत के निवासी एवं हिन्दी के अध्येता होने के नाते हमारा यह कर्त्तव्य बनता है कि हम अपने महीनों को जानें, तिथियों को जानें, घर-घर में टंगे हुए कैलेण्डर को पढ़ना जाने। इस क्रम में ज्येष्ठ मास, प्रथमा/द्वितीया तिथि, अनुराधा नक्षत्र, विक्रम सम्वत् 2079 को शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में स्किल डेवेलपमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत ''हिन्दी महीना को जानें'' कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ0 आर के टण्डन की अध्यक्षता में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक रामकृष्ण मिश्रा ने हिन्दी महीना, हिन्दी तिथियों, नक्षत्र आदि के बारे में विस्तार से बताया। 27 नक्षत्रों में से मूल नक्षत्रों - अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल, रेवती आदि में किए गए कार्यों को प्रायः अशुभ माना जाता है। साथ ही धनिष्ठा नक्षत्र के तीसरे चरण से रेवती नक्षत्र के प्रारम्भ तक पाँच दिनों के पंचक में भी शुभ अथवा मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। इस दौरान पूजा आदि किए जा सकते हैं। परन्तु मूर्ति विसर्जन नहीं किया जा सकता। गृह निर्माण आरम्भ वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष (अगहन), फाल्गुन माह में करना शुभ माना जाता है। लेकिन जब नव गृह प्रवेश की बात करें या कोई भी मंगल कार्यों जैसे शादी आदि की बात करें तो आषाढ़ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक वर्जित है। इसी प्रकार, वास्तु शास्त्र, वर-वधु गुण मिलान, नवजात बच्चे के नामकरण आदि पर विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ0 आकांक्षा मिश्रा ने किया। प्रो0 दिनेश संजय के आभार प्रदर्शन में, प्रो0 जयराम कुर्रे सहित निमिश राठिया, उर्मिला पटेल, सोनिया चौहान, प्रियंका पटेल, लोकनाथ जनसेना, ज्ञानेश्वर जनसेना, रेशमा चौहान, किर्तन अजय, मोंगरा राठिया, रुकमणी पटेल, शिव कुमारी, हीना, सुनीता सिदार, दुर्वांकल जैष्णव, गासुरी राठिया (लोचन सिंह), सरस्वती राठिया, अंजना राठिया, रंगवती, संजना राठिया की सक्रिय सहभागिता कार्यक्रम के दौरान दिखाई दी। सभी ने रोचक और ज्ञानवर्द्धक जानकारी हासिल किया। डॉ0 रमेश टण्डन ने पं0 रामकृष्ण मिश्रा को विभाग की ओर से धन्यवाद दिया एवं डॉ0 आकांक्षा मिश्रा ने वस्त्र, भोजन, धनादि दान किया।

डॉ रमेश टण्डन की अभिनव पहल से हिन्दी के छात्रों ने हिन्दी महीनों को जाना

खरसिया(वॉच ब्यूरो)। आज की पीढ़ी अंग्रेजी के दिनांको, महीनों, हैप्पी न्यू ईयर फर्स्ट जनुअरी, आदि को भली-भांति जानती है। परन्तु अपने ही चैत्र, वैशाख तृतीया, चतुर्थी आदि को भूलती जा रही है। भारत के निवासी एवं हिन्दी के अध्येता होने के नाते हमारा यह करवा बनता है कि हम अपने महीनों का जानें, तिथियों को जानें, घर-घर में टँगे हुए कैलेण्डर का पढ़ना जाने। इस क्रम में ज्येष्ठ मास, प्रथमा/द्वितीया तिथि, अनुराधा नक्षत्र, विक्रम सम्वत् 2079 को शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में स्किल डेवेलपमेंट कार्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दी महीना को जानें कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ. आर के टण्डन की अध्यक्षता में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक रामकृष्ण मिश्रा ने हिन्दी महीना, हिन्दी तिथियों, नक्षत्र आदि के बारे में विस्तार से बताया। 27 नक्षत्रों में से मूल नक्षत्रों अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल, रेवती आदि में किए गए कार्यों को प्राय: अशुभ माना जाता है। साथ ही घनिष्ठा नक्षत्र के तीसरे चरण से रेवती नक्षत्र के प्रारम्भ तक पाँच दिनों के पंचक में भी शुभ अथवा मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। इस दौरान पूजा आदि किए जा सकते हैं। परन्तु मूर्ति विसर्जन नहीं किया जा सकता। गृह निर्माण आरम्भ वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष (अगहन), फाल्गुन माह में करना शुभ माना जाता है। लेकिन जब नव गृह प्रवेश की बात करें या कोई भी मंगल कार्यों जैसे शादी आदि की बात करें तो आषाढ़ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक वर्जित है। इसी प्रकार, वास्तु शास्त्र, वर-वधु गुण मिलान, नवजात बच्चे के नामकरण आदि पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने किया। प्रो. दिनेश संजय के आभार प्रदर्शन में, प्रो. जयराम कुर्रे सहित निमिश राठिया, उर्मिला पटैल, सोनिया चौहान, प्रियंका पटैल, लोकनाथ डनसेना, ज्ञानेश्वर डनसेना, रेशमा चौहान, किर्तन अजय, मोंगरा राठिया, रूकमणी पटेल, शिव कुमारी, हीना, सुनीता सिदार, ट्वींकल वैष्णव, माधुरी राठिया (लोचन सिंह), सरस्वती राठिया, अंजना राठिया, रंगवती, संजना राठिया की सक्रिय सहभागिता कार्यक्रम के दौरान दिखाई दी।